

दगड़ी हम दोस्तों ने बहुत रगड़ी

“ गरमी की छुट्टियों में हम चार दोस्त चूत के सपने लेते लेते स्कूल चले गए. वहाँ हमें एक औरत दिखाई दी. हिम्मत करके उसके पास गए, पूछा, वो चौकीदार की बीवी थी. ... ”

Story By: (varindersingh)

Posted: Thursday, June 30th, 2016

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [दगड़ी हम दोस्तों ने बहुत रगड़ी](#)

दगड़ी हम दोस्तों ने बहुत रगड़ी

दोस्तो, यह कहानी बहुत पुरानी है, तब की है जब मैं और मेरे दोस्त स्कूल के आखिरी साल में थे, हम तीन चार ही शरारती दोस्त थे, क्लास की लड़कियों पर लाइन मारना, स्कूल के बाथरूम में जाकर गंदे चुटकुले सुनना सुनाना, एक दूसरे के साथ मुट्ठ मारने का मुक़ाबला करना कि देखें 'किसका देर में छुटता है', यही सब चलता था।

मगर हम दोस्तो में से चूत मारी किसी ने भी नहीं थी, तो हर कोई चाहता था कि एक बार तो चूत मारने का मौका मिले।

अक्सर क्लास की लड़कियों की स्कर्ट के नीचे से दिखती टाँगें देख कर खुश होते, कोई पटी किसी के पास नहीं थी मगर सबने अपनी अपनी मोहर लगा रखी थी, वो मेरी है, वो तेरी है।

खैर ऐसे ही एक दिन गर्मियों की छुट्टियाँ थी और हम चारों दोस्त फ्री थे तो बेकार में बैठे थे कि वैसे ही किसी ने आइडिया दिया, चलो स्कूल चलते हैं।

वेमतलब में ही हम स्कूल चले गए, खाली गलियारों में घूमते रहे, इस कमरे में देख, उस कमरे में देख।

सारा स्कूल देख कर मैदान में आ गए, बड़ा बड़ा घास उग हुआ था, उसी में लेट गए।

थोड़ी देर बाद प्यास लगी तो पानी पीने नल के पास गए। वहाँ देखा एक औरत पानी भर रही थी, सारा स्कूल खाली, आस पास कोई नहीं, चार मुश्टंडे और एक औरत।

और औरत भी जवान, कोई 35-36 साल की रही होगी, सांवला सा रंग, बदन भी ठीक ठाक, चेहरा भी साधारण सा, मतलब यह कि हमारे लिए तो पर्फेक्ट थी।



हम उसके पास गए ।
 एक ने बात शुरू की- तुम यहीं रहती हो ?
 उसने हम सब को ध्यान से देखा और हाँ में सर हिलाया ।

‘पहले तो कभी नहीं देखा ?’ मैंने कहा ।
 ‘तुम लोग इसी स्कूल में पढ़ते हो ?’ उसने पूछा ।
 हम सबने कहा- हाँ ।

‘यहाँ कहाँ रहती हो’ फिर एक ने पूछा ।
 ‘वो उधर, चौकीदार मर्द है मेरा !’ वो बोली ।

हम सब ने आपस में एक दूसरे को देखा, चौकीदार तो बुढ़ऊ सा है, यह उसकी बीवी ।
 सब के मन में यह बात आई कि अगर चौकीदार से कुछ न बनता हो तो यह औरत हम सब
 के काम आ सकती है, मगर अब इससे पूछे कौन कि तेरा मर्द तेरी टुकाई अच्छे से करता है
 या नहीं ।

अभी हम सब ये सोच ही रहे थे कि वो औरत बोली- आप लोग यहाँ क्या कर रहे हैं, स्कूल
 तो बंद है ?
 उसकी आँखों में एक चमक सी थी ।

मैंने यूँ ही कह दिया- घर में खाली बैठे थे, तो सोचा स्कूल में ही घूम आते हैं ।

उसकी बाल्टी भर गई, जब वो बाल्टी उठाने के लिए झुकी तो हम सबकी नज़रें उसके
 ब्लाउज़ के गले के अंदर गई, और उसके मोटे मोटे चूचे देखने लगी, मगर अतुल के मन में
 ना जाने क्या आया उसने आगे बढ़ कर उसकी एक चूची दबा दी ।

वो बिदक गई- ओए, ये क्या करते हाओ, बदतमीज़, अकेले नहीं हैं हम, अभी आने वाले हैं



ये, सब बता देंगे इनको !

उसने बाल्टी उठाई और चली गई ।

हम पहले तो थोड़ा डर गए मगर सवाल सबने यही पूछा- कैसा लगा, चूची नर्म थी या सख्त ?

अतुल बोला- थी तो नर्म सी ही, मगर बहुत अच्छा लगा, अगर ये मान जाए तो चोद चोद के इसकी चूत का भोंसड़ा बना दूँ ।

हम सबने एक दूसरे की तरफ देखा- चलो ट्राई करके देखें, सीधा सीधा पूछा ही लेते हैं । हम चारों उसके क्वाटर की तरफ चल पड़े ।

वहाँ पहुँच कर बाहर ही खड़े हो गए, हमे देखा तो वो बाहर आ गई- यहाँ क्यों आए, क्या चाहिए ?

उसने अकड़ कर पूछा ।

दीपक बोला- देखो, हम चारों ने आज तक किसी की ली नहीं है, क्या तुम दोगी ?

वो तो और बिदक गई- हे राम, क्या हम तुमको ऐसी वैसी दिखती हूँ, शर्म नहीं आती हमसे ऐसे बात कहते हुये, चलो भागो यहाँ से, हरामज़ादे कहीं के !

मगर अब हम सब के मन में यह बात तो चल ही रही थी कि जो होगा देखा जाएगा, अगर मान गई तो ठीक नहीं तो ज़बरदस्ती पकड़ लेंगे, और कुछ नहीं तो चारों जन इसके चूचे तो दबा कर ही जाएंगे ।

पुनीत बोला- देखो गुस्सा मत करो, हमने सिर्फ पूछा है, अगर चाहो तो हम तुम्हें पैसे भी दे सकते हैं ।

‘अरे, हम कोई रंडी हैं क्या, जो पैसे लेंगे ?’ वो गुस्से से बोली ।



‘तो प्यार से दे दो!’ मैंने कहा।

उसने मेरी तरफ देखा और बोली- क्या लल्ला, बहुत आग लगी है क्या ?

मैंने सीधा उसकी आँखों में देखा और बोला- पूछ मत, सब के सब मरे जा रहे हैं, अगर तुम मान जाओ तो हमारा सब का उदघाटन करवा दो, आज तक किसी ने नहीं मारी, मारी क्या देखी तक नहीं किसी ने।

पहले तो उसने सब की तरफ देखा और फिर बोली- देखो मैं कोई ऐसी वैसी औरत नहीं, हाँ तुम्हारी मदद के वास्ते मैं तुमको करने दूँगी, मगर सिर्फ एक बार, दोबारा यहाँ मत आना और हाँ, एक बार में सिर्फ एक आए, सब साथ मत आना।

हम सब की तो खुशी का ठिकाना न रहा, हमें तो उम्मीद ही नहीं थी कि वो मान जाएगी।
अतुल बोला- ऐसा करते हैं, देखेंगे सब एक साथ, पर करेंगे बारी बारी।

हम सब उसके पीछे पीछे उसके कमरे में घुस गए।

दीपक बोला- देखो हम सबने कभी भी नहीं देखी, पहले हमको दिखा दो, उसके बाद सब बाहर चले जाएंगे, और एक एक करके तुम्हारे साथ करेंगे।

‘ठीक है!’ वो बोली और उसने अपना आँचल हटाया, सब के सब की आँखें खुल गईं, ब्लाउज़ के नीचे कुछ नहीं था, उसने अपनी साड़ी खोली, फिर तो हमने ही आगे बढ़ कर उसके ब्लाउज़ खोल दिया और पेटिकोट का नाड़ा खोल कर उसे एक मिनट में ही नंगी कर दिया।

सबसे पहले जो काम किया, वो था उसके चूचे दबाने का, सबने जी भर भर के उसके चूचे दबा के देखे, फिर उसे बिस्तर पे लिटा दिया और उसकी टाँगें चौड़ी करके उसकी चूत को खोल खोल कर देखने लगे।

वो बहुत शर्मा रही थी- अरे ये क्या कर रहे हो, ऐसे नहीं देखते !



मगर उसकी किसने सुननी थी ।

चारों ने उसके नंगे बदन को खूब सहलाया और उसके बाद फिर बारियाँ बंटी ।
पहला नंबर अतुल का, दूसरा दीपक का, तीसरा पुनीत का और चौथा मेरा !

हम तीनों जा कर बाहर बैठ गए, अतुल अंदर ही रह गया ।
बाहर बैठे हम आपस में उसके बदन के बारे में बातें करने लगे, और कैसे कैसे उसे चोदेंगे,
इस की प्लानिंग करने लगे ।

कोई 15 मिनट बाद अतुल बाहर आया तो उसने दीपक की पीठ ठोकी- चल बेटा, दौड़ के जा ।

दीपक उठा कर बड़े जोश के साथ गया ।

हमने अतुल को घेर लिया- क्या हुआ, कैसे हुआ ?

हम उसका तजुरबा जानने को बेताब थे ।

अतुल बोला- यार मज़ा आ गया, साली बहुत शोर मचाती है, जैसे पहले कभी लंड लिया ही न हो ।

मैंने पूछा- चूत कितनी टाइट है ?

अतुल बोला- ठीक है, कोई ज्यादा टाइट नहीं, मादरचोद रोज़ चुदती होगी, चौकीदार से,
मगर ड्रामा ऐसे करती है जैसे कच्ची कुँवारी हो ।

ऐसे ही बातें करते करते, 10 मिनट में दीपक भी बाहर आ गया, फिर पुनीत गया, और वो भी बाहर आ गया ।

फिर मेरा नंबर आया ।

मैं जब अंदर गया तो वो बिस्तर पे बिलकुल नंगी लेटी थी ।



सांवला बदन, लंबी मगर भरी हुई, चिकनी टाँगों, मगर घुटनों के नीचे उसकी टाँगों पर बाल थे, जांघों पर नहीं थे।

चूत पर तो पूरा गुच्छा भर के बाल थे, जैसे कभी काटे ही नहीं हो, थोड़ा सा पेट और ऊपर दो साँवले चूचे, उन पर तने हुये निपल काले रंग के!

मैंने जाते ही सबसे पहले अपने कपड़े उतारे। शर्ट, पैंट, बनियान और चड्डी भी उतार दी, बिल्कुल नंगा होकर मैं उसके पास बेड पे जा कर बैठ गया।

उसने हाथ बढ़ा कर मेरा लंड अपने हाथ में पकड़ा और सहलाने लगी।

मैंने भी पहले उसकी गाल को चूमा और फिर होंठों को उसके बाद नीचे आ कर उसके चूचे अपने हाथों में पकड़े और दबा के देखे, फिर

मुँह में लेकर चूसे, चाहे इससे पहले मेरे तीन दोस्त भी इन्हें चूस चुके थे, मगर औरत तो कभी जूठी होती ही नहीं।

मैंने उससे पूछा- लंड चूसोगी ?

उसने कहा- हाँ, अगर तुम चुसवाओगे, तो क्यों नहीं चूसूंगी।

मैं उसकी छाती पे चढ़ गया और अपना लंड जो अब तक पूरी तरह से तन कर सख्त हो चुका था, उसके होंठों पर रखा, जिसे उसने अपना मुँह खोल कर अंदर ले लिया और लगी चूसने।

पहले बार किसी औरत से अपना लंड चुसवा रहा था तो बहुत मज़ा आ रहा था।

मैंने उसकी चूत में उंगली डाली तो वो तो मुझसे पहले आए महारथियों ने अपना माल छोड़ छोड़ कर भरी पड़ी थी।

मेरे हाथ पे भी माल लग गया, पर ये नहीं पता था कि किसका माल है ये।

थोड़ा सा चूस कर वो बोली- चलो आ जाओ नीचे!



मतलब अंदर डालो ।

मैंने उसकी टाँगें चौड़ी की और अपना लंड उसकी चूत पे रखा और अंदर को ठेला, और वो घुस गया ।

‘अरे वाह, आज मैं चूत चोद रहा हूँ!’ मेरे मन में ख्याल आया ।

अब पहली बार था तो जैसे तैसे बस धड़ाधड़ धक्के मार रहा था ।

वो नीचे लेटी ‘हाय आह ऊई मर गई!’ और ना जाने क्या क्या कह रही थी ।

मुझे पता था सब ड्रामा कर रही थी, तो मैं भी ज्यादा ही जोश से लगा था ।

मगर यह उसका अपना तरीका था, जो औरत ज्यादा शोर मचाती है, वो मर्द को उतनी जल्दी स्वलित करती है । मर्द को लगता है कि उसने तो इस औरत की फाड़ के रख दी, मगर इसी चक्कर में वो ज्यादा जोश में जल्दी झड़ जाता है ।

मेरे साथ भी यही हुआ ।

मुश्किल से 5 मिनट लगे होंगे और मैंने भी अपना माल उसकी चूत में गिरा दिया ।

फारिग हो कर मैं भी बाहर आ गया ।

उसके बाद तो हमारा रोज़ का ही प्रोग्राम बन गया । चौकीदार होता था मेन गेट पे और हम पीछे से दीवार फांद कर स्कूल में घुस जाते, और चौकीदार की बीबी की खूब बजाते ।

फिर तो उसके साथ हर अंदाज़ में करके देखा ।

सारी गर्मी की छुट्टियाँ हमने उसको चोदा और उसकी चूत को अपने अपने माल से भरते रहे ।

अरे हाँ, एक बात तो बतानी भूल ही गया, चौकीदार का नाम था, दगडू और उसकी बीबी का नाम हमने रखा था, दगडू की दगड़ी... जो हमने खूब रगड़ी ।



alberto62lopez@yahoo.in



Other stories you may be interested in

मुम्बई से दुबई- कामुक अन्तर्वासना-1

आपने हमारी पिछली कहानी में हम दोनों परिवार के बीच हुई घमासान चुदाई का पूरा आनन्द लिया, हमें हज़ारों पत्र आये, हमने पूरी कोशिश की कि हम सभी पत्रों का जवाब दे पायें फिर भी शायद कुछ ऐसे पाठक रह [...]

[Full Story >>>](#)

मौसी की चूत में गोता -2

अब तक आपने पढ़ा था कि मैं मौसी के जिस्म से छेड़खानी करने लगा था और यह कारस्तानी अभी चल ही रही थी। अब आगे.. मैंने उनके ब्लाउज के हुक थोड़ी मेहनत के बाद खोल दिए.. और उनकी ब्रा के [...]

[Full Story >>>](#)

खूबसूरत आंटी संग पहली बार चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम नीलेश है और मैं आप सबको अपनी असली कहानी बताना चाहता हूँ। मैं पूना का रहने वाला हूँ और मैं जो आपको कहानी बताने जाने वाला हूँ.. वो एकदम सच्ची कहानी है। दरअसल यह मेरी जिन्दगी की [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी मैथ टीचर सोनिया की गर्म चूत और खुजलाती गांड

बात तब की है.. जब मैं मैथ की टीचर सोनिया के पास ट्यूशन पढ़ने जाता था। सोनिया का चेहरा तो बस ठीक-ठाक ही था लेकिन उसकी फिगर को देख कर किसी के मुँह में पानी आ जाए.. उसका फिगर 34-28-36 [...]

[Full Story >>>](#)

बोनस में चूत के साथ दस करोड़ भी

सुबह के 4 बज रहे थे और मैं रोज़ की तरह अपनी सास के कमरे की ओर जा रहा था। दरवाज़ा खुला ही रहता है.. तो आज भी खुला ही था। नजदीक जाकर देखा तो मेरी सास राखी.. जिन्हें मैं [...]

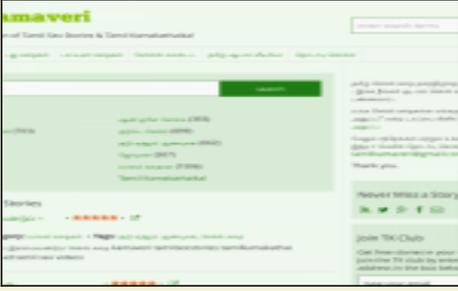
[Full Story >>>](#)





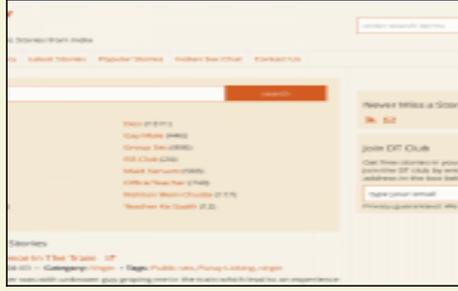
Other sites in IPE

Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின் சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Desi Tales



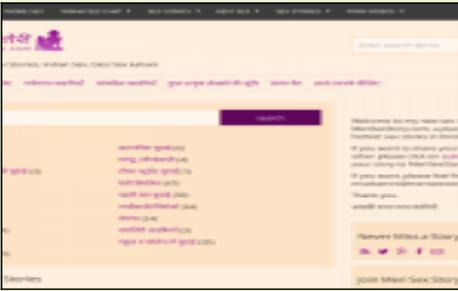
Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Bangla Choti Kahini



বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফটে বাংলাদেশী সেক্স স্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Meri Sex Story



मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उतेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Savita Bhabhi Movie



Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Indian Sex Stories



The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.